प्रकाशनार्थ

संसदीय परम्पराओं–संसदीय मूल्य स्थापित रहे, सदन में गंभीर चर्चा होनी चाहिए– एन.पी. प्रजापित

रायपुर/भोपाल–म.प्र. विधानसभा के अध्यक्ष एन.पी. प्रजापित ने छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा आयोजित पंचस विधानसभा में नवनियुक्त सदस्यों के लिए आयोजित प्रबोंधन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा प्रश्नकाल एवं उसकी उपयोगिता पर प्रबोधन देते हुए कहा कि विधानसभा में नियम प्रक्रियाओं के तहत् सदन में विषय उठाकर जनहितैषी और प्रभावी विधायक बन सकते हैं।

श्री प्रजापति ने आगे कहा कि सदन में गंभीर चर्चाएं होना चाहिए हमें लोकतंत्र को निचले स्तर तक मजबूत करने के लिए जनता ने चुनकर सदन में भेजा है। संसदीय परम्पराओं व संसदीय मूल्य स्थापित रहे, इसका हमें प्रयास करना चाहिए।

इस अवसर पर म.प्र. विधानसभा के प्रमुख सचिव ए.पी. सिंह ने भी प्रश्नकाल एवं उसकी उपयोगिता पर अपना प्रबोधन दिया। इस कार्यक्रम में म.प्र. विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रजापति का छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष श्री चरणदास महंत, नेता प्रतिपक्ष धर्मलाल कौशिक एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री रविन्द्र चौबे ने स्वागत किया। इस प्रबोधन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवनियुक्त सदस्यों के साथ विधानसभा सचिवालय के समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।